- यथार्थवादी दृष्टिकोण तीन मूलभूत मान्यताओं पर आधारित है। पहली यह कि प्रत्येक देश के राजनेता सदैव अपने राष्ट्र के हित की सिद्धि के लिए प्रयत्नशील रहते हैं. दूसरी यह कि प्रत्येक राष्ट्र का हित उसके भौगोलिक, आर्थिक, राजनीतिक एवम् सांस्कृतिक प्रभाव के विस्तार में ही निहित है। और तीसरी यह कि प्रत्येक राष्ट्र अपनी शक्ति और अपने प्रभाव का उपयोग अपने हितों की रक्षा के लिए करता है।
- यथार्थवादी दृष्टिकोण के अनुसार प्रत्येक राज्य की विदेशनीति पूर्णतया शक्ति पर निर्भर है।
- इस दृष्टिकोण को अपनाने वाले लेखक अपने अध्ययन और अनुसन्धान के लिए सामग्री एकत्र करते समय इस बात का ध्यान रखते हैं कि किसी देश का राष्ट्रीय हित क्या है?
- मारगेन्थाऊ के यथार्थवादी राजनीतिक दर्शन का मूलभूत आधार उनकी इस आस्था में निहित है कि राजनीति का स्वरूप मानव प्रकृति से उद्भुत होता है। मारगेन्थाऊ का मत है कि हमारा विश्व मानव प्रकृति का ही प्रतिबिम्ब है।
- मारगेन्थाऊ विश्व को एक स्थल के रूप में देखते हैं जहाँ अच्छाई और बुराई तर्क और भावना, जीवन और मृत्यु स्वास्थ्य और रोग एवम् शान्ति और युद्ध के बीच निरन्तर संघर्ष होता रहता है।
- उनके अनुसार यह संसार विरोधी हितों और उनके बीच होने वाले अविराम संघर्ष का रणक्षेत्र है।
- मारगेन्थाऊ की दृष्टि में संघर्ष और

पाप का मूल स्रोत मानव प्रकृति के दो मुख्य लक्षणों में है। ये लक्षण हैं स्वार्थपरता और प्रभुत्व की लालसा

- मारगेन्थाऊ का विश्वास है कि मनुष्य का मनुष्य के प्रति जो युद्ध भाव है उसका कारण केवल स्वार्थपरता ही नहीं है। इस युद्धभाव का मूल कारण है मानव प्रकृति का दूसरा प्रमुख लक्षण अर्थात प्रभुत्व की लालसा। यह लालसा मानव अस्तित्व का सारतत्व है।
- मारगेन्थाऊ का कथन है कि मनुष्य की प्रभुत्व की लालसा पूर्णरूप से तभी सन्तुष्ट होगी जब संसार का प्रत्येक अन्य मनुष्य उसके आधिपत्य में आ जाएगा।
- मारगेन्थाऊ के विचार में प्रभुत्व की यह लालसा ही हर प्रकार की राजनीति का सार है।

Pol-sc (Hons)
Part-II
Paper-IV

Rama Kant Pandey
S.R.A.P. College
Bara Chakiya
B.R.A.B.U (Muz.)